आभार

सर्व प्रथम मै नदी प्रदूषण, अतिक्रमण एवं शोषण के कार्यों में लगे सभी जल पुरुषों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, धार्मिक संतों का आभारी हूँ जिनके जल, गंगा, प्रदूषण एवं जन-भागीदारी के माध्यम से किये गये चिंतन, कार्य एवं प्रयासों से मेरे अंदर चेतना का विकास हुआ और मै इस शोध विषय पर कार्य करने को प्रतिबद्ध हुआ।

मै अपने विभाग के निदेशक प्रो. मनोज कुमार का हृदय से आभारी हूँ कि उन्होने मेरे शोध विषय की गहराई एवं मेरी चेतना का अनुश्रवण किया और उनके द्वारा इस महत्वपूर्ण विषय पर शोध कार्य करने की सहमति प्रदान की गयी।

मै अपने शोध निर्देशक डॉ. शंभू जोशी का विशेष आभारी हूँ। जिनके द्वारा अमूल्य सहयोग, प्रेरणा, परामर्श एवं सहयोगपूर्ण वातावरण का संचार विषय की अंतर्दृष्टि को समझने में, विषय की जटिलताओं को दूर करने में मिला और मै इस शोध विषय के निहितार्थ को उकेर पाने में सफल हो पाया। पुनः विशेष आभार।

इस शोध विषय को वैज्ञानिक स्वरूप एवं संरचना में ढालने, समाज कार्य की नई प्रविधियों, तकनीकों को जोड़ते हुए विषय की वस्तुनिष्ठा बढ़ाने में अथक परिश्रम एवं आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान करने लिए डॉ. मिथलेश का विशेष आभार व्यक्त करता हूँ जिनके प्रयासों से शोध का निहितार्थ वैज्ञानिक स्वरूप ले पाया।

शोध विषय में समाज कार्य की दृष्टि, धारणा, परिवर्तन से अवगत कराने, आवश्यक सुझाव को जोड़ने में सहयोग प्रदान करने के लिए डॉ. शिव सिंह बघेल का भी विशेष आभारी हूँ।

विषय की गहराइयों को समझाने, विषय से संबंधित तथ्य एवं जानकारी प्रदान करने में सहयोग करने के लिए मै डॉ. मनोज कुमार राय शांति एवं विकास अध्ययन, डॉ. राजीव रंजन राय डाइस्पोरा विभाग एवं धीरेंद्र राय काशी हिन्दू विश्वविद्यालय का भी आभारी हूँ।

श्री अनुपम मिश्र गांधी शांति प्रतिष्ठान, श्री मनोज मिश्रा संयोजक यमुना जिए अभियान, श्री दीनानाथ शुक्ल विभागाध्यक्ष वनस्पति विज्ञान विभाग इलाहाबाद, श्री मौलिक सिशोदिया संचालक तरुण भारत संघ एवं के. चंद्रमौली गंगा सहयात्री के द्वारा साक्षात्कार के माध्यम से दिए गए वास्तविक अनुभवों, तथ्यों एवं सुझावों के लिए मै इन महानुभावों का विशेष आभारी हूँ। जिन्होने मुझे विषय की वास्तविकता, गहनता को समझाते हुए आवश्यक सुझाव प्रदान किये।

गैर-सरकारी संगठनों संकट मोचन फाउंडेशन वाराणसी, पीस चैरिटेबल ट्रस्ट नई दिल्ली, तरुण भारत संघ अलवर राजस्थान, पंच गंगा फाउंडेशन वाराणसी एवं साझा संस्कृति मंच वाराणसी का आभारी हूँ कि उन्होने

अपने बहुमूल्य समय में से मेरे लिए समय निकाला और अपने गंगा प्रदूषण एवं स्वच्छता के लिए किए जा रहे प्रयासों से अवगत कराया।

इस शोध को पूरा करने में सतत आत्मीय सहयोग, उत्साह, प्रेम एवं आवश्यक सहयोग प्रदान करते रहने के लिए मै अपने माता-पिता, भाई-बहनों एवं पूरे परिवार का सदा आभारी रहूँगा।

इस प्रेरणादायी कार्य को पूर्ण कराने में शोधार्थी गजानन निलामे, सुशील, श्याम एवं मेरे मित्रों साजन, संजीव, अनुराग, भानु, वरुण, प्रसन्न, देवेंद्र, शिव, रमेश, पीयूष आदि की सहभागिता को मै आजीवन नहीं भूल सकता जिनके द्वारा इस शोध कार्य को सुगम बनाने में सहयोगपूर्ण भूमिका अदा की गयी।

अन्त में मै सभी लेखकों, संपादकों एवं सोशल साईट से जुड़े विशेषज्ञों, ब्लागरों का भी अभारी हूँ जिनके द्वारा निर्मित विषय की जानकारी का उपयोग मैंने अपने शोध कार्य में किया।

अभिषेक कुमार राय